अभ्यास कार्य:-1 **विषय :- हिंदी** **कक्षा:- पाँच** **शिक्षिका:- श्रीमती जितेंद्र कौर**

नाम:- _____ **सेक्शन :-** __ **रोल नंबर :-** ____ **दिनांक:-**

पाठ:-4 (मूल मंत्र)

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मौखिक

(क) कविता में मन के चाहे से क्या होता है?

उ०- किसी की मनचाही नहीं होती।

(ख) पर्वत की चोटी छूने के लिए क्या करना पड़ता है?

उ०- पर्वत पर चढ़ना पड़ता है।

(ग) सागर में गोता क्यों लगाया जाता है?

उ.- मोती लाने को सागर में गोता लगाया जाता है।

(घ) उद्यम क्यों ज़रूरी है?

उ०- उद्यम किए बिना सफलता नहीं मिलती है।

(ङ) इच्छा कब पूरी होती है?

उ०- जब इच्छा के साथ उद्यम जुड़ा हो तब इच्छा पूरी होती है।

लिखित

(क) कविता का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए।

उ०- कवि का कहना है कि परिश्रम किए बिना लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती।

परिश्रम के द्वारा ही हमें जीवन में सफलता मिलती है।

(ख) सफलता का मूलमंत्र क्या है?

उ०- सफलता का मूलमंत्र परिश्रम है।

(ग) हम अपनी इच्छाएँ पूरी कैसे कर सकते हैं?

उ०- इच्छा के साथ लक्ष्य को निर्धारित करके हम अपनी इच्छाएँ पूरी कर सकते हैं।

(घ) सिंह को अपना शिकार करने के लिए क्या करना पड़ता है?

उ०- सिंह को अपना शिकार करने के लिए उद्यम करना पड़ता है।

(ङ) मंज़िल प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

उ०- मंज़िल प्राप्त करने के लिए हमें लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।